DSSSB TGT & PGT
Part-B
SCHOLAR BATCH
INDIAN GEOGRAPHY
प्रमुख झील एवं परियोजना
Part -8
LIVE
20-06-2024 08:00 PM

(4) मद्रास एल्यूमिनियम कम्पनी लिमिटेड (MALCO) –

कारखाना- मेट्टूर (तमिलनाडु)

→ जलविद्युत - मेट्टूर परियोजना

→ बॉक्साइट प्राप्ति - शेवरॉय पहाड़ी क्षेत्र से

→ सहयोगी देश- इटली

(5) वेदांता एल्यूमिनियम कम्पनी लिमिटेड, लंजीगढ़ (उड़ीसा) -

→ कारखाना- लंजीगढ़ (उड़ीसा)

→ सहयोगी देश- जर्मनी

तांबा उद्योग

(1) हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड :-

प्रगलग संयंत्र:- मलाजखण्ड (मध्य प्रदेश), खेतड़ी (चांदमारी), झुंझनू (राजस्थान), दरीबा (राजस्थान), घाट शिला (झारखण्ड) हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड, दाहेज (गुजरात)

(2) स्टेरलाइट इंडस्ट्रीज (वेदांता ग्रुप की कंपनी) :-
प्रगलग संयंत्र:- तुथुकड़ी (तमिलनाडू,

(3) झंगाड़िया कॉपर लिमिटेड :-
प्रगलन संयंत्र - भरूच (गुजरात)

सीसा उद्योग

उपयोग:- बैटरी उद्योग, काँच, खर, प्रिंटिंग उद्योग, बिजली के केबल बनाने में।

1. हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड - मुख्यालय उदयपुर (राजस्थान)

अन्य ईकाईयाँ- तुंडू- धनवाद (झारखण्ड)

विशाखापट्टनम (आंध्र प्रदेश)

चंदेरिया (राजस्थान)

सूती वस्त्र उद्योग

⇒ भारत में सूती कारखाना 1818 में कलकत्ता के 'Fast Glosper' में लगाया गया, परन्तु यह 'असफल रहा।

⇒ 1854 में 'कासव जी डाबर' के द्वारा मुम्बई में आधुनिक वस्त्र उद्योग की नींव डाली — सफल

⇒ वर्तमान में तमिलनाडू सर्वाधिक 'सूती वस्त्र मिलों'' वाला राज्य' है।

Textile industry

Facts –

(1) भारत का कॉटनोपोलिस - मुम्बई

(2) भारत का मैनचेस्टर - अहमदाबाद

(3) उत्तर भारत का मैनचेस्टर- कानपुर

(4) दक्षिण भारत का मैनचेस्टर - कोयंबटूर

(5.) पूर्वी वोस्टन - अहमदाबाद

⇒ भारी मशीनों का निर्माण करने वाली प्रमुख इकाइयाँ :-

1. हिन्दुस्तान मशीन टूल्स लिमिटेड़ - बेंगलूरू (1953)
2. भारी इंजीनियरिंग निगम लिमिटेड - राँची (1958)
3. खनन एवं संबंध मशीनरी निगम लिमिटेड- दुर्गापुर (1965)
4. भारत हैवी प्लेट्स एवं वैसल्स लिमिटेड- विशाखापट्टनम (1966)
5. तुंगभद्रा स्टील प्रोडक्ट्स लिमिटेड- मैसूर (कर्नाटक), आन्ध्रप्रदेश (1960)
6. नेशनल इंस्ट्रूमेंट्स (Instruments) लिमिटेड- कलकत्ता (1957)

Heavy Duty industries

रेलगाड़ी निर्माण उद्योग :-

1. चितरंजन लोकोमोटिव - पश्चिम बंगाल

⇒ यहाँ बिजली व डीजल के इंजन बनते हैं।

2. टाटा लोकोमोटिव एवं इंजीनियरिंग कम्पनी (TELCO) - जमशेदपुर

→ यहाँ पर वाष्पइंजन, वॉयलर बनते हैं।

3. डीजल लोकोमोटिव वर्क्स : वाराणसी (उत्तर प्रदेश)

→ यहाँ डीजल इंजन बनते हैं।

4. डीजल लोको मार्डनाइजेशन वर्क्स - पटियाला

→ यहाँ पर डीजल इंजन का निर्माण व सुधार होता है।

5. इंट्रीगल कोच फैक्ट्री :- पेरंबूर (चेन्नई)

⇒ यहाँ रेल के डिब्बे बनते हैं।

6. रेल कोच फैक्ट्री - कपूरथला

⇒ यहाँ रेल के डिब्बे बनते हैं।

7. भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड - बेंगलूरू

⇒ यहाँ भी रेल के डिब्बे बनते हैं।

ऊन / रेशम / जूट

1. पशमीना ऊन बकरी से
2. अंगोरा ऊन- खरगोश से
3. भारत का पहला आधुनिक ऊन कारखाना - कानपुर
4. सर्वाधिक उत्पादन (ऊन का) - राजस्थान
5. रेशम का सर्वाधिक उत्पादन - कर्नाटक
6. जूट का सर्वाधिक उत्पादन - पश्चिम बंगाल
7. केन्द्रीय रेशम अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान - मैसूर व बहरामपुर

महारत्न कम्पनियाँ :-

- BHEL- Bharat Heavy Electrical Limited.
- GAIL - Gias Authority of India Limited.
- NTPC - National Thermal power corporation Limited.
- SAIL - Steel authority of India Limited.
- CIL- Coal India Limited.
- IOCL - Indian Oil corporation Limited.
- ONGC - oil and Natural Gas Corporation Limited.
- HPCL - Hindustan Petroleum Corporation Limited.
- BPCL - Bharat petroleum Corporation Limited.
- Power Grid Corporation of India Limited.

नवरत्न कम्पनियाँ -

1. Sharat electronics Limited (BEL) ✓
2. Container corporation of India Limited ✓
3. Engineers India Limited (EIL) ✓
4. Hindustan Aeronautics Limited (HAL) ✓
5. Mahanagar Telephone Nigam Limited (MTNL) ✓
6. National Aluminium company (NALCO) ✓
7. National Buildings Construction corporation (NBCC) ✓
8. National Mineral Development Corporation (NMDC) ✓

9. NLC India Limited (NLCTL)

10. Oil India Limited (OIL)

11. Power Finance Comparation (PFC)

12- Rashtriya Ispat Nigam Limited (RINL)

13. Rural ~~Electrifi~~ Electrification Corporation (REC)

14. Shipping Comparation of India (SCI)

Corporation

परिवहन

- स्थल परिवहन
  - सड़क परिवहन
  - रेल परिवहन
- जल परिवहन
  - अंतः स्थलीय जल परिवहन
  - महासागरीय जल परिवहन
- वायु परिवहन

भारत में सड़क परिवहन:-

- वर्तमान में भारत में 60 लाख किलोमीटर से बड़ा सड़क नेटवर्क है।
- यह विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क है ।

सड़क परिवहन

- राष्ट्रीय राजमार्ग- लगभग 1, 10, 995 किलोमीटर
- राज्यमार्ग - 1, 71,039 किलो मीटर

अन्य सड़कें - 60,59,813 किलोमीटर

- जिला सड़कें
- ग्रामीण सड़कें

राष्ट्रीय राजमार्ग (National Highway)

- इनके निर्माण एवं रख-रखाव की जिम्मेदारी केन्द्र सरकार की होती है।
- यह राज्यों की राजधानी एवं प्रमुख शहरों को जोड़ते हैं।
- देश के कुल सड़क मार्ग की लम्बाई में इनका योगदान मात्र 2% है ।
- परन्तु देश के सम्पूर्ण यातायात का लगभग 40% भाग वहन करते हैं।

प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग :-

Trick:-

NH-1, NH-3 .... Odd no. - पश्चिमी राष्ट्रीय राजमार्ग

NH-2, NH-4 .... Even no. पूर्वी राष्ट्रीय राजमार्ग

- NH-1 → उरी, श्रीनगर से लेह तक
- NH-2 → दिब्रुगढ़ (असम) से तुइपांग (मिजोरम) तक
- NH-3 → लेह, लद्दाख से अटारी (इंडोपाक बॉर्डर तक,
- NH-4 → पोर्ट ब्लेयर से चिड़िया टापू (अंडमान निकोबार) तक
- NH-5 → फिरोजपुर (पंजाब) से शिपकीला (इंडो - तिब्बत सीमा) तक

- NH-6 → जोरवार (मेघालय) से सीलिंग (मिजोरम) तक
- NH-7 → फजलका (पंजाब) से माना (उत्तराखण्ड) तक
- NH-8 → करीमगंज (असम) से सबरूम (त्रिपुरा), इंडो- बांग्लादेश बॉर्डर तक
- NH-9 → मलोट (पंजाब) से पिथौरागढ़ (इंडो-नेपाल बॉर्डर) तक

- NH-10 → गंगटोक (सिक्किम) से फूलबाड़ी (सिलीगुड़ी), भारत-बांग्लादेश बॉर्डरतक
    - इससे पहले ये NH-31 हुआ करता था ।
- NH-13 → तवांग से बाको (अरुणांचल प्रदेश) तक
- NH-16 → कोलकाता से चेन्नई तक

→ यह स्वर्णिम चतुर्भुज (Golden Quadrilateral) (G-Q) है।

- NH - 19 (G.Q) → m दिल्ली से कोलकाता

    ⇒ पहले यह NH-2 था |

- NH-27 → पोरबंदर से सिलचल तक
- NH-30 → सितारगंज (उत्तराखण्ड) से कोंडापल्ली (आंध्र प्रदेश) तक

- NH-34 → गंगोत्री से सिवनी (मध्य प्रदेश) तक

- NH-44 (N-5) - श्रीनगर से कन्याकुमारी
    - यह भारत का सबसे लम्बा राजमार्ग है।

- NH-48(G.Q) → यह दिल्ली से चेन्नई तक
- यह भी स्वर्णिम चतुर्भुज का हिस्सा है।

- NH-52 → संगरूर (पंजाब) से अंकोला (कर्नाटक) तक
- NH-53 → हजीरा (गुजरात) से पारद्वीप (उड़ीसा) तक
- NH - 66 → पनवेल (नवी मुम्बई) से कन्याकुमारी तक
- NH 129 → नुवालीगढ़ (असम) से दीमापुर (नागालैण्ड) तक
- NH- 134 → यह धरासू से यमुनोत्री (उत्तराखण्ड) तक

सीमा सड़क संगठन Border Road Organization (BRO)

- स्थापना - 1960 में जवाहर लाल नेहरू के द्वारा
- मुख्य उद्देश्य - देश के उत्तर व पूर्वोत्तर के पहाड़ी व पर्वती क्षेत्र में सड़कों का त्वरित निर्माण
- यह रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आता है
- इस संगठन को देश की सीमा सुरक्षा की दिशा में राष्ट्र निर्माण करती है।
- पड़ोसी देशों की सीमा पर स्थित सड़कों का निर्माण BRO ही करती है।
- भूटान, नेपाल, अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों में भी इसने सड़कों का निर्माण किया है

BRO के द्वारा बनायीं गईं दुर्गम सड़कें -

(i) जोजिला से कारगिल

(ii) मनाली से लेह

→ पठानकोट, जम्मू-कश्मीर, श्रीनगर, उरी के राष्ट्रीय राजमार्ग के रख-रखाव का कार्य इसी को सौंपा गया है।

BRO के द्वारा चलाये जाने वाले प्रोजेक्ट-

(i) प्रोजेक्ट हीरक :- नक्सल प्रभावित जिलों में सड़क निर्माण एवं रख-रखाव का कार्य BRO को सौंपा गया है

- महाराष्ट्र के नक्सल प्रभावित जिलों में सड़क निर्माण व उनके रख-रखाव का कार्य BRO के द्वारा किया जाता है।

(ii) प्रोजेक्ट बीकन:- सोनमर्ग - कारगिल लेहमार्ग का निर्माण

लेह - उपची- सरमार्ग का निर्माण किया जा रहा है।

(iii) प्रोजेक्ट दंतक :- BRO के द्वारा भूटान में विशाल सड़क का निर्माण किया जा रहा है।

NOTE:- 'ग्रीनमफलर (अशोक एवं नीम के वृक्ष)

⇒ जिन सड़कों के किनारे ध्वनि प्रदूषण अधिक होगा, वहाँ नीम व अशोक के पेड़ लगाए जाऐंगें ।

⇒ यह ध्वनि प्रदूषण कम करते हैं, इसी को ग्रीनमफलर कहते हैं।

भारतमाला परियोजना

- यह सड़क परिवहन के क्षेत्र में अब तक की सबसे बड़ी योजना है।
- भारत के सीमावर्ती राज्यों को जोड़ने के साथ साथ तटीय राज्यों एवं बंदरगाहों को जोड़ने की योजना है।
- यह परियोजना से 2017-18 से चलायी जा रही है।
- इसके अंतर्गत लक्ष्य निर्धारित किया गया है। 2017-2018 से 2021 -22 तक कुछ प्रमुख कोरिडोर निर्मित किए जाएँगे :-

(i) नेशनल कोरिडोर (लगभग 5,000km)

(ii) आर्थिक कोरिडोर (लगभग 9,000 km)

(iii) इंटर कोरिडोर व फीडर सड़कें (लगभग 6000 km)

(iv) तटवर्ती एवं बंदरगाह सम्पर्क सड़कें - 2,000km

(v) हरितक्षेत्र एक्सप्रेसवे 800km.

- अधूरे सड़क निर्माण कार्य - लगभग 10,000 km.

सेतु भारतम योजना :- रेलवे क्रॉसिंग पर बार-बार होने वाली दुर्घटनाओं एवं जानमाल की क्षति रोकने के लिए प्रधानमंत्री 'श्री नरेन्द्र मोदी जी' ने 4 मार्च 2012 को 'सेतु भारतम योजना का शुभारम्भ किया।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना - 25 दिसम्बर 2000 में इसकी शुरूआत हुई।
मुख्य उद्देश्य :- सम्पर्क रहित गाँवों को बारहमासी सड़क सम्पर्क मुहैया कराना।

रेल परिवहन

- रेल परिवहन दुनिया का चौथा सबसे बड़ा 'रेलवे नेटवर्क' है।
- यात्री परिवहन का लगभग 3/4 या 15%, रेलवे नेटवर्क के माध्यम से होता है।
- मालपरिवहन का लगभग 60% रेलवे के माध्यम से होता है

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि-

- सर्वप्रथम रेल लाइन 1849 में कलकत्ता से रानीगंज तक बिछी थी।
- सबसे पहली रेल 1853 में मुम्बई से थाने तक चली।
- दूसरी रेल 1854 में कलकत्ता से हुगली
- दक्षिण भारत में 1856 में मद्रास से अर्काट के लिए चली।

(1) भारतीय रेलवे का अनुसंधान और विकास संगठन का मुख्यालय - अभिकल्प और मान के संगठन , लखनऊ

(2) देश का पहला राज्य जहाँ PPP मॉडल बनाया गया - गुजरात

(3) CNG रेलसेवा की शुरूआत - रेवाड़ी से रोहतक (हरियाणा)

(4) पहली सौर ऊर्जा युक्त डिब्बों वाली रेल - सफदरजंग से रोहिल्ला तक

रेलवे गेज

- नैरोगेज
  - 610 mm (2 फीट)
  - 762 mm (2 फीट 6 इंच)
  - 1000 mm मीटर गेज (3 फीट $3\frac{1}{2}$ Inch)
- ब्रॉडगेज
  - स्टैंडर्ड गेज (1435 mm Or 4 फीट $8\frac{1}{2}$ inch)
  - ब्रॉड गेज (167 mm Or 5 फीट 6 inch)

कोंकण रेलवे परियोजना :-

शुरूआत :- मार्च 1990, रोहा से मंगलूरू तक लम्बाई - 760km.

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड' - 'इसकी कुल लम्बाई - 741 km

- कोंकण रेलवे मार्ग पर रत्नागिरि के पास लगभग 6.5 km लम्बी सुरंग' कारबुडे सुरंग' है।
- यह भारत की दूसरी सबसे लम्बी एवं कोंकण रेलवे की सबसे लम्बी सुरंग है। इसकी सर्वाधिक लम्बाई ' महाराष्ट्र' में है। उसके बाद क्रमशः- कर्नाटक व गोवा में इसकी लम्बाई है।

मैट्रोरेल (Metrorail)

- शुरुआत - 29 दिसम्बर 1972 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी जी के द्वारा इसकी आधारशिला कलकत्ता में रखी गयी।
- 24 oct 1984 में आंशिक रूप में पहली वाणिज्यिक मैट्रोरेल का संचालन किया गया।
- देश की पहली वाटर मैट्रो ट्रेन 23 जुलाई 2016 को कोच्चि (केरल) में संचालित हुई।
- वाटर मैट्रो परियोजना का विकास' जर्मन विकास' के द्वारा आर्थिक सहायता पर यह कार्य संचालित हुआ है।

- देश की पहली अंडर वाटर मैट्रो ट्रेन का संचालन → उद्घाटन - 13 फरवरी 2020
- हुगली नदी में सुरंग बनाकर इसके संचालन का व्यवस्था की गई थी

प्रमुख राष्ट्रीय जलमार्ग

- **NW-1 → प्रयागराज से हल्दिया तक (1620km), गंगा-भागीरथी- हुगली**
- **NW-2 → सदिया से धुबरी तक (असम में), 891 km; ब्रह्मपुत्र नदी पर**
- **NW-3 कोल्लम से कोटापुरम (केरल) तक, 375km, पश्चिमी तट नहर, उद्योग मण्डल नहर, चंपाकारा नहर**
- **NW-4 काकीनाड़ा (2916 km), पुद्दुचेरी नहर, कृष्णा नदी, गोदावरी नदी**

thank you.